**Writer**

***Ranjeet Verma***

Advocate High Court, Allahabad

Uttar Pradesh, India

And

Career Counselling Coach

Digital Entrepreneur Coach

Contact No. +919838476923

Email – ranjeetdigitalseva622@gmail.com

ranjeetverma656@gmail.com

Website – https://www.ranjeetdigitalseva.com

# ***शायरों की तलवार***

( 1 )

मुस्कराहट का कोई मोल नहीं ,
सच्चे रिश्तो का कोई तोल नहीं ,
लोग तो मिल जाते है हर मोड़ पर ,
पर कोई आप सा अनमोल नहीं।

(2)

पूंछ ले तू ये जमाना क्या चाहता है ,
हर रोज नया नया ठिकाना चाहता है,
छोड़ दे अब तू सच्ची मोहब्बत की तलाश ,
यहाँ तो सिर्फ हर शख्स सिर्फ आजमाना चाहता है।

(3)

दिल के सागर में लहरें उठाया न कर ,
ख्वाब बनकर नींद चुराया न कर ,
बहुत चोट लगती है मेरे दोस्त इस दिल को ,
तू ख्वाबों में आकर इस तरह तड़पाया न कर।

(4)

कोई जरूरी नहीं कि  हम उन्हें कबूल होंगे ,
कोई जरूरी नहीं कि वो हमारी तरह बेफजूल होंगे,
गुस्ताखी हमारी थी कि हम उनसे प्यार कर बैठे ,
वो छोड़ गए हमें तो उनके अपने कोई वसूल होंगे।

(5)

ऐ चाँद सुना है तू खिड़की से सब पर निगाह रखता है,
जब दाग तेरे दामन में है फिर क्यूँ तू ये गुनाह करता है।

(6)

खुद को अपनी  नजरों  में अब गिराना छोड़ दो ,
जब लोग तुम्हें न समझें तो उन्हें समझाना छोड़ दो।

(7)

तुझे पाने की कोशिश और तेरे मिलने की आस ,
कुछ इस तरह बिछड़ गए हम कि किसी की नहीं तलाश।

(8)

देखो किसी का किसी से भरोसा न टूटे ,

बीच मजधार किसी हाथ का साथ न छूटे,
जोड़ने से फिर नहीं जुड़ पाएगा ,
देखो , किसी पत्थर से कोई काँच न टूटे।

(9)

किसी की आँखे उदास होगी , किसी  का चेहरा उदास होगा।
हजार लोगों में सिर्फ एक ही रैदास होगा।
किसी एक से वादे वफ़ा मत करना।
एक पौधे को पानी दोगे , तो सारा बाग उदास होगा।

(10)

स्वयं से ही यदि हो जाय स्वयं का प्यार ,
यही एक ही है विश्व में सच्चा द्वार ,
जो अगर खुल जाये सिर्फ एक बार ,
तो दुनिया में सब कुछ है उसके लिए बेकार।

(11)

खुदगर्जी की दुनिया में खुद्दार भी मिले ,
कुछ लोग आदतों से लाचार भी मिले ,
आगे बढ़े जब राह पे दुनियादारी की ,
कुछ लोग हमें नीयत से बीमार भी मिले।

(12)

लगता है कि अकाउंट डिलीट कर दिया उसने ,
मेरे मासूम दिल के साथ चीट कर दिया उसने ,
मै समझता रहा जिसको सबसे अलग यारों ,
बेवफाई के खेल में सबको बीट कर दिया उसने।

(13)

मेरा गुलाब अब किसी  और के गमले में खिल खिल गया है ,
उसे पानी देने वाला कोई और मिल गया है ,
बेवफा औरत को मेरे जीने मरने से मतलब भी नहीं ,
क्योकि उसे अब नया आशिक मिल गया है।

(14)

कि मत कर तमन्ना किसी को पाने की ,
बड़ी बेदर्द निगाहें हैं इस ज़माने की।
तू खुद को बना काबिल इस कदर ,
कि लोग तमन्ना करें तुम्हें पाने की।

(15)

इतने बेचैन इतने बेक़रार क्यूँ हैं ?
लोग जरूरत से ज्यादा होशियार क्यों हैं ?
सबको सबकी हर खबर चाहिए ,
सब चलते फिरते अखबार क्यूँ हैं ?

(16)

कहानी में मेरी आपका किरदार अच्छा था ,
आपको पाने से तो मेरा इन्तजार अच्छा था।
हसीन होगी ये जिंदगी आपको पाने के बाद ,
ये खुश खबरी सच होती तो विचार अच्छा था।

(17)

दूर रहकर करीब रहना नजाकत है मेरी ,
याद  बनकर आँखों में बसना शरारत है मेरी ,
करीब न होते हुए भी करीब पाओगे ,
क्योंकि अहसास बनकर दिल में रहना आदत है मेरी।

(18)

आपके दिल ने हमें दीवाना बना दिया ,
रोए न थे कभी आपने रुला दिया ,
हमने तो हर वक्त याद किया है आपको ,
लेकिन आप ने याद करने में पूरा जमाना लगा दिया।

(19)

तेरी उल्फत ( प्यार , मोहब्बत , स्नेह ) से मुझे इनकार नहीं ,
कौन कहता है कि मुझे तुमसे प्यार नहीं ,
तुमसे वादा है मेरा साथ निभाने का ,
पर मुझे अपनी सांसो पर ही ऐतबार नहीं।

(20)

ढूढ लिया मैंने अब तरीका गम छुपाने का ,
क्योंकि सीख लिया है मैंने अब सलीका मुस्कुराने का।

(21)

पीठ पीछे नफरत और मुँह पर प्यार ,
आज कल की दुनिया का यही है कारोबार।

(22)

तेरी खातिर हमने खुद को बर्बाद कर लिया।
ले जा अपनी यादें समेटकर हमने तुझे आज़ाद कर दिया।

(23)

काबिलियत उनकी दुनिया को हैरान कर देती है ,
जिन्हे ये दुनिया हद से ज्यादा परेशान कर देती है।

(24)

मिलकर बिछड़ना दस्तूर है जिंदगी का ,
एक यही किस्सा मशहूर है जिंदगी का।
बीते हुए पल कभी लौट कर नहीं आते ,
यही सबसे बड़ा कसूर है जिंदगी का।

(25)

न किसी को नाराज करके जिओ ,

न किसी से नाराज होकर जिओ ,

जिन्दगी बस कुछ पलों की बात है ,

सबको खुश रखो , और खुश होकर जिओ।

(26)

जब तक साँस है टकराव मिलता रहेगा ,

जब तक रिश्ते है घाव मिलता रहेगा ,

पीठ पीछे जो बोलते है उन्हें पीछे ही रहने दो ,

रास्ता गर सही है अपना तो गैरो से भी लगाव मिलता रहेगा।

(27)

छोड़ना ही था साथ तो हम खुद छोड़ देते ,

पसंद नहीं थे हम तो किनारा कर लेते ,
यूँ बेवजह बहाना बनाकर क्या मिला तुमको ,
मना कर देते तो हम ख्वाबों में गुजारा कर लेते।

(28)

हर नई सुबह इतनी सुहानी हो जाय ,
आपके दुखों की सब बातें पुरानी हो जाय ,
दे जाय इतनी खुशियाँ ये दिन आपको ,
की ख़ुशी भी आपकी दीवानी हो जाय।

(29)

कसूर तो था ही इन निगाहों का ,
जो चुपके से तेरा दीदार कर बैठा ,

हमने तो खामोश रहने की ठानी थी ,
पर बेवफा , ये जुबान , इजहार कर बैठा।

(30)

हर ख़ुशी से खूबसूरत तेरी शाम कर दूँ ,
अपनी जिन्दगी का सब कुछ तेरे नाम कर दूँ ,
मिल जय अगर दोबारा यह जिन्दगी मेरे दोस्त ,
हर बार मै ये जिन्दगी तुझ पर कुर्बान कर दूँ।

(31)

हर कोई नहीं समझ सकता ,
क्या बीतती है उस टूटते तारे पर ,
छूट जाता है सारा जहाँ उसके पीछे ,
और लोगो ने बस वाह वाही, की है इस नज़ारे पर।

(32)

लौट आएगा परिन्दा भी उसी साख पर ,
जिस पर उसने अपनी जिन्दगी गुजारी है ,
हर मौसम जिसकी छाँव में गुजारे ,
उसे भी खबर है कि शाखों से उसकी यारी है ,
हर रिश्ता भूल जाता है मौका निकलने के बाद ,
कम्बख्त इन्सान को ही भूलने की बीमारी है।

(33)

ये जो धूल है मेरे दामन पर ,
मेरे सफर की निशानी है।
जो निकले ही नहीं घर से,
उन्होंने कब इसकी कीमत जानी है।

(34)

खुशियों का पता नहीं मगर ग़मों की जनाब बहुत मेहरबानी है ,
बस इतनी सी ही तो यार अपनी जिंदगानी की कहानी है।
छोड़ा है हम दोनों ने एक दूसरे को मगर फर्क सिर्फ इतना है ,
उसके चहरे पर मुस्कान है और मेरी आँखों में पानी है।

(35)

बाग की बात सिर्फ माली समझे ,
फूलों का दर्द सिर्फ झुकी डाली समझे।
दुनिया वालों ने क्या रीति बनाई है ,
दिल दीये का जले और लोग उसे दीवाली समझें।

(36)

खामोशियाँ बोल देती है ,
जिनकी बातें नहीं होती।
इश्क उनका भी कायम रहता है ,
जिनकी कभी मुलाकातें नहीं होती।

(37)

मेरी आँखों  में देख कितनी नमी रहती है ,
इन्हें बस तेरे जाने की एक कमी रहती है।
मेरी जिंदगी में सब कुछ है मगर फिर भी ,
न जाने क्यों धड़कने थमी थमी रहती है।

(38)

उन्हें मेरी हकीकत का पता कुछ भी नहीं ,
इल्जाम हजारों है मगर मेरी खता कुछ भी नहीं।
कोई पढ़ न सकेगा मेरी जिंदगी की किताब ,
हर पन्ना भरा है , मगर लिखा कुछ भी नहीं।

(39)

कीमत पानी की नहीं प्यास की होती है ,
कीमत मौत की नहीं साँस की होती है।
प्यार तो बहुत करते है दुनिया में पर ,
कीमत प्यार की नहीं , विश्वास की होती है।

(40)

मत मुस्कुराओ इतना कि फूलों को खबर लग जाय ,
हम करें आप की तारीफ और आपको नजर लग जाय।
खुदा करे बहुत लम्बी हो आपकी जिंदगी ,
और उस पर भी हमारी उमर लग जाय।

(41)

इस शहर के लोग भी ,
अजीब अंदाज रखते है।
जज्बात अपने है तो अपने है ,
औरों के है तो मजाक समझते है।

(42)

दरों दीवारों से दिल की बात कर लेता हूँ ,
दर्द कितना भी हो दिल में ही दबा लेता हूँ।
मुझे मालूम है कोई नहीं समझ पाएगा मुझको ,
इसीलिए तन्हाइयों के सहारे ही जी लेता हूँ।

(43)

हर एक कश में तेरी यादों को उड़ाता रहा ,
मै उस रात को खुद से खुद को जलाता रहा ,
आसान तो नहीं था एक रात में सब कुछ भूल जाना ,
पर बहते आंसुओ के साथ मै सब कुछ भुलाता रहा।

(44)

जिनके लिए हर वक्त अपना हम बर्बाद करते हैं ,
वो वक्त बेवक्त हमें याद किया करते है।
हाँ कुछ गुस्ताखियां जरूर की है हमने जो हक़ में थी ,
बाकी कुछ इल्जाम वो बेबुनियाद करते है।

(45)

कोई कहता है प्यार नशा बन जाता है ,
कोई कहता है प्यार सजा बन जाता है ,
पर दोस्तों प्यार करो अगर सच्चे दिल से ,
तो प्यार जीने की वजह बन जाता है।

(46)

जीना चाहते है मगर जिंदगी रास नहीं आती ,
मरना चाहते है मगर मौत पास नहीं आती।
बहुत , बहुत उदास है हम इस जिंदगी से ,
फिर भी उनकी यादें तड़पाने से बाज नहीं आती।

(47)

छल करोगे तो छल मिलेगा ,
आज नहीं तो कल मिलेगा ,
अगर जिओगे जिंदगी सच्चाई से ,
तो जिंदगी में सुकून हर पल मिलेगा।

(48)

दिल टूटेगा तो फरियाद करोगे तुम ,

हम रहें या ना रहें याद करोगे तुम ,
दोस्त आज कहते हो मेरे पास वक्त नहीं है ,
पर एक दिन मेरे लिए वक्त बर्बाद करोगे तुम।

(49)

सर झुकाओगे तो पत्थर देवता हो जाएगा ,
इतना मत चाहो उसे वो बेवफा हो जाएगा ,
हम भी दरिया है हमें अपना हुनर मालूम है ,
जिस तरफ भी चल पड़ेगे रास्ता हो जायेगा।

(50)

कभी कभी उदासी की आग है जिंदगी ,
कभी कभी खुशियों का बाग है जिंदगी।

हँसता और रुलाता राग है जिंदगी।
कड़वे और मीठे अनुभवों का स्वाद है जिंदगी ,
अंत में अपने किये कर्मो का हिसाब है जिंदगी।

(51)

गुनाहों के हिसाब तमाम रखने लगा हूँ ,
अब अपने काम से काम रखने लगा हूँ ,
किसी की गलतियाँ नहीं गिनता अब ,
खुद पर ही सारे इल्ज़ाम रखने लगा हूँ।
भले छोटा परिन्दा हूँ पर हौसला है बहुत ,
ऊँची परवाज़ ऊँचे मुकाम रखने लगा हूँ ,
जब शालीन था सबने सताया था बहुत ,
इसलिए अब जुबां बेलगाम रखने लगा हूँ।

(52)

लिखूं कुछ आज यह वक्त  का तकाजा है ,
मेरे दिल का दर्द अभी ताजा - ताजा है ,
गिर पड़ते है मेरे आंसू मेरे ही कागज पर ,
लगता है की कलम में स्याही का दर्द ज्यादा है।

(53)

हर शख्स जब निगाहों से डसने लगेगा ,
कदम - कदम पर जब ताने कसने लगेगा ,
सोच लेना तेरा ख्वाब बड़ा हो गया उस दिन ,
जिस दिन जमाना तुझ पर हॅसने लगेगा।

(54)

अब की बरस सैलाब में घर हमारा नहीं टूटा।
वो टूट चुका था पहले ही सो दोबारा नहीं टूटा।
पुकारते पुकारते मेरी दुआओं ने दम तोड़ दिया।
आसमां से मेरे नाम का मगर सितारा नहीं टूटा।

(55)

इश्क की जुगलबंदी कमाल थी।

वो दिखती कमाल थी मै लिखता कमाल था।

वो बोलती कमाल थी मै सुनता कमाल था।

थी उसकी हर अदा कमाल , पर मेरी चाहत भी बेमिसाल थी।

(56)

ये रात भी आखिरी हो सकती है।

ये बात  भी आखिरी हो सकती है।

हम तो मुददतों से मुसाफिर है साहब ,

यक़ीनन ये मुलाकात भी आखिरी हो सकती है।

(57)

था जो कोई मेरे दिल को भरम दे गया ,
जिन्दगी भर रोने की कसम दे गया ,
लाखों फूलों में से एक फूल चुना था मैंने ,
जो काँटों से भी गहरा जखम दे गया।

(58)

काश ! मै तेरे पास का कोई फूल होता ,
तेरे हाथों से ही  टूटना मेरा वसूल होता ,
महकता मै हमेशा तेरी जुल्फों तले ,
और तेरे कदमों तले बिखरना ही कबूल होता।

(59)

दिल से लिखी बात दिल को छू जाती है ,
ये अक्सर अनकही बात को कह जाती है।
कुछ लोग दोस्ती के मायने बदल देते है ,
और कुछ लोगो की दोस्ती से दुनिया बदल जाती है।

(60)

दरिया तेरी खैर नहीं बूंदो ने बगावत कर दी है ,
नादां न समझ इनको , लहरों ने बगावत कर दी है।
हम परवाने है मौत समां , मरने का है खौफ कहाँ ,
ऐ तलवार तुझे झुकना होगा , गर्दन ने बगावत कर दी है।

(61)

जिंदगी तो जीत ही लेंगे बस चाहत होनी चाहिए ,
हम भी दिल हार जाएंगे बस मुस्कुराहट होनी चाहिए।

(62)

कल और आएंगे नगमों की खिलती कलियाँ चुनने वाले ,
मुझसे बेहतर कहने वाले तुमसे बेहतर सुनने वाले।

(63)

सफर में मुश्किलें आएं तो हिम्मत और बढ़ती है ,
कोई अगर रास्ता रोके तो जुर्रत और बढ़ती है।
अगर बिकने पे आ जाओ तो घट जाते है दाम अक्सर ,
ना बिकने का इरादा हो तो कीमत और बढ़ती है।

(64)

हम वो नहीं जो दिल तोड़ देंगे ,
थाम कर हाथ किसी का हाथ छोड़ देंगे ,
हम दोस्ती करते है पानी और मछली की तरह ,
जुदा करना चाहे कोई हमें तो हम दम तोड़ देंगे।

(65)

जगा के उम्मीद तुम बुझा क्यों देते हो ,
मेरे नहीं हो फिर बता क्यों नहीं देते हो ।
झूठी तसल्ली की डोरी को कब तलक खींचोगे ,
उलझी है डोरी तो डोरी काट क्यों नहीं देते।

(66)

बिकती है न ख़ुशी कही न कहीं गम बिकता है।
लोग गलतफहमी में है कि शायद कहीं मरहम बिकता है।

इन्सान ख्वाहिशों से बंधा एक जिददी परिन्दा है ,
उम्मीदों से ही घायल और उम्मीदों पर ही जिन्दा है।

(67)

उस आग को बुझाना कितना मुश्किल होता है ,
जिसमे न चिनगारी और न धुआँ होता है।

(68)

खोकर पाने का मज़ा ही कुछ और है ,
रोकर मुस्कुराने का मज़ा ही कुछ और है ,
हार तो जिंदगी का हिस्सा है मेरे दोस्त ,
हारने के बाद जीतने का मज़ा ही कुछ और है।

(69)

शतरंज सी जिंदगी में हर कोई मोहरा है।
इंसान तो एक है मगर किरदार दोहरा है।

(70)

यादों को तेरी हिफाजत से रक्खा है ,
दिल में ठहरने की इजाजत दे रक्खा है।
कहीं न भुला दूँ तुझे मै ख्यालों से
तभी तो तुझे मै अपनी हर इबादत  में रक्खा है।